खाद्य मंत्री तथा नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव): (क) 1994-95 और 1995-96 फसल वर्ष के दौरान खाद्यान्नों (गेहूं चावल और मोटे अनाज) का उत्पादन निम्नानुसार रहा है:-

(मिलियन टन में)

फसल वर्ष	उत्पादन
1994-95	176.98
1995-96	172.03

(ख) 1994-95 और 1995-96 खरीफ विपणन मौसमों और 1995-96 और 1996-97 रबी विपणन मौसमों के दौरान चावल और गेहूं की वसूली निम्नानुसार है:-

(लाख टन में)

खरीफ विपणन मौसम	चावल की वसूली
1994-95	137.04
1995-96	99.78
रबी विपणन मौसम	गेहूं की वसूली
1995-96	123.27
1996-97 (27.11.96 तक)	81.83

(ग) चावल और गेहूं की वसूली में निम्नलिखित घटकों के कारण गिरावट आई है:--

(1) धान और गेहूं का कम उत्पादन तथा कम बाजार आमद;

(2) केन्द्रीय पूल में चावल के स्टाक की अच्छी स्थिति होने की दृष्टि में बढ़िया और उत्तम किस्म के गैर-बासमती चावल को लेवी दायित्वों से छूट देना;

(3) पंजाब में चावल का अधिक स्टाक जमा होने से बचने के लिए राज्य में चावल पर लेवी निलम्बित करना;

(4) 1996-97 रबी विपणन मौसम में व्यापारियों द्वारा गेहूं की बाजार आमद के 10 प्रतिशत भाग की खरीदारी कर लेना जबकि पिछले मौसम में केवल 6 प्रतिशत की खरीदारी की गई थी।

(घ) पिछले वर्षों में सरकार द्वारा कृषि मूल्य नीति अपनाने से कृषि विकास और उत्पादन में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण योगदान हुआ है। सरकार द्वारा उत्पादकों के लिए इस गारंटी के रूप में न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किए जाते हैं कि मूल्यों को न्यूनतम स्तर से नीचे नहीं गिरने दिया जाएगा। किसान आधुनिक प्रौद्योगिकी, अर्थात् अधिक उपज देने वाली किस्मों के बीजों, रसायनिक उर्वरकों आदि का प्रयोग अपनाने के लिए प्रोत्साहित हुए हैं।

Study on Rehabilitation of Workers in Bidi and Tobacco Sector

1034. SHRI YERRA NARAYANASWAMY: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether any study has been done on the costs involved in rehabilitating workers in the bidi and tobacco sector;

(b) if so, the ambit of the study;

(c) whether any recommendations have been made by the study team on this subject; and

(d) details of recommendations on the subject of unemployment in the bidi and tobacco sector?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) to (d) In view of their proposed legislation on the use of tobacco and tobacco products, the Ministry of Health and Family Welfare have set up an Expert Committee to undertake a comparative study on the economics of tobacco use inter-alia examining the tax revenue and foreign exchange earnings, employment and consumer expenditure on the one hand and the cost of tertiary level medical care facilities for treatment of tobacco related diseases, losses due to fire hazard, ecological damage due to hand with a view to making an economic study of the import of tobacco consumption.

झारखण्ड क्षेत्र का औद्योगिक पिछड़ापन

1035. **श्री ज्ञान रंजन:** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि झारखण्ड क्षेत्र के खनिजों तथा वन सम्पदाओं से भरपूर होते हुये भी 25 वर्षों से इसका औद्योगिक विकास नहीं हुआ है;

(ख) क्या इस क्षेत्र के औद्योगिक पिछड़ेपन का कारण वित्तीय संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता के आवंटन में किया जाने वाला भेदभाव है; और